>

Title: Need to make payment of pension to retired employees of MTNL by the Central Government and not by MTNL.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): भारत सरकार के उपक्रम भारत संचार निगम लिमिटेड में लगभग तीन लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों/अधिकारियों के पेंशन आदि का भुगतान भारत सरकार द्वारा किया जाता है, जबकि उसी की सहयोगी कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के सेवानिवृत्त कर्मचारियों/अधिकारियों के पेंशन का भुगतान एम.टी.एन.एल. को करना पड़ता है।

दूरसंचार विभाग ने वर्ष 1986-2002 में एम.टी.एन.एल. एवं बी.एस.एन.एल. को विभाजित कर दिया था और दोनों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को जिसमें एम.टी.एन.एल. के कर्मचारी को वर्ष 1998 में एवं बी.एस.एन.एल. के कर्मचारियों को सन् 2002 में विकल्प दिया गया था।

बी.एस.एन.एल. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भारत सरकार पेंशन देती है, जबकि उसकी ही सहयोगी कंपनी एम.टी.एन.एल. के सेवानिवृत्त कर्मचारी/अधिकारी का पेंशन आदि एम.टी.एन.एल. को देना पड़ता है। आज स्थिति ये आ गई है कि एम.टी.एन.एल. के कर्मचारी को वक्त पर वेतन-भत्ता तक नहीं मिल पाता है।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि बी.एस.एन.एल. की तरह एम.टी.एन.एल. के सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं अधिकारियों के पेंशन आदि का भुगतान भारत सरकार द्वारा ही कराई जाए ताकि एम.टी.एन.एल. बंद होने के कगार से बच सके।